

an>

Title: Introduction of the Motor Vehicles (Amendment) Bill, 2016.

HON. SPEAKER: Shri Nitin Gadkari.

...(Interruptions)

HON. SPEAKER: Let him introduce the Bill. उसके बाद आप अपनी बात कहिए।

â€¦(बखान)

HON. SPEAKER: The Minister is introducing the Bill. पहले उनको बोलने दीजिए।

...(Interruptions)

HON. SPEAKER: Only the speech of Shri Nitin Gadkari will go on record.

â€¦(Interruptions)â€¦ *

THE MINISTER OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS AND MINISTER OF SHIPPING (SHRI NITIN GADKARI): I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Motor Vehicles Act, 1988. ...(Interruptions)

HON. SPEAKER: Motion moved:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Motor Vehicles Act, 1988."

...(Interruptions)

PROF. SAUGATA ROY (DUM DUM): I am on a point of order.

What I am saying is this. There is a rule in this House that before a Bill is to be introduced in the House, it ought to be circulated among the Members at least two days before the introduction. This is a very important Bill to amend the Motor Vehicles Amendment Act in which many new fines, etc. would be imposed. I have to oppose the introduction of the Bill but before seeing the Bill, how will I oppose the introduction. We would like to bring amendments to the Bill. As it is today, no papers have come from Parliament. Till yesterday, this Bill has not been circulated. Today also, it has not been laid on the Table. In these circumstances, don't let the Minister to introduce the Bill today. Let the Bill be circulated today. With your permission, tomorrow, he can introduce the Bill and take up motion for consideration. This scrappy work of the Ministry should not be condoned by Parliament.

Otherwise we will be setting a bad precedent, taking away the normal rights of Members to raise objections. I do not know whose fault it is, whether it is the Minister's fault or whether it happened from the side of the Secretariat. But this is a matter which should be looked into before you allow him to introduce the Bill. Let the Members not be deprived of their normal rights. ...(Interruptions)

SHRI P. KUMAR (TIRUCHIRAPPALLI): Madam Speaker, we also oppose the introduction of this Bill. ...(Interruptions)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE (GULBARGA): Madam Speaker, a detailed discussion has to be done. Nearly 79 clauses are there. We are very enthusiastic to support all the proposals of the Minister because he is taking some interest to improve road safety. So we do not want to block his move. But we should go according to the rules. The rules are very important and discussion is also important. ...(Interruptions)

माननीय अध्यक्ष : आपकी तरफ से एक माननीय सदस्य ने बोला है, हाँ, आपको क्या कहना है?

...(Interruptions)

SHRI MOHAMMAD SALIM (RAIGANJ): Madam Speaker, it is not so in my case, to be honest. This morning, while I was leaving my house I got this packet. It is a voluminous Bill and we require to apply our mind as we are all stakeholders. â€¦ (Interruptions) आप ऐसे कुछ मोडिफिकेशंस मत करो, ताकि शुरू में ही एक्सीडेंट्स हो। आप एक्सीडेंट्स रोकना चाह रहे हो। इसलिए जो हमारे रूल्स में हैं, जैसा प्रो.सौगत राय जी ने बताया है, मैडम, आप इसे कन्डोन मत करो। यह सिर्फ आप ही कर सकते हो तो आपको यह दिखाना पड़ेगा कि रूल्स के प्रावधान के मुताबिक ही गाड़ी चले, तभी कानून भी ऐसे ही चलेगा।

HON. SPEAKER: Copies of the Motor Vehicles (Amendment) Bill, 2016 have already been circulated today morning.

...(Interruptions)

SHRI KALYAN BANERJEE (SREERAMPUR): We have not got it. ...(Interruptions)

SEVERAL HON. MEMBERS: We have not got it. ...(Interruptions)

HON. SPEAKER: He has received it.

...(Interruptions)

HON. SPEAKER: See your papers.

...(Interruptions)

HON. SPEAKER: It has already been circulated.

...(Interruptions)

HON. SPEAKER: He is only introducing the Bill.

...(Interruptions)

HON. SPEAKER: I have also acceded to the Minister's request for waiver of Directions 19 (a) and 19 (b). I have given the waiver. He is only introducing. After that, you have to decide whether to discuss or not.

...(Interruptions)

HON. SPEAKER: He is only introducing it now. That is all.

...(Interruptions)

SHRI KALYAN BANERJEE : Our right to raise objections is stripped off. ...(Interruptions)

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री तथा पोत परिवहन मंत्री (श्री नितिन गडकरी) : मैडम, मैं आपकी मार्फत सदन को कुछ जानकारी देना चाहता हूँ। ... (व्यवधान) आप मेरी बात तो सुन लीजिए। ... (व्यवधान) आपको इसे लेना है तो लीजिए, नहीं लेना है तो मत लीजिए, मुझे कोई आपत्ति नहीं है। ... (व्यवधान)

श्री कल्याण बनर्जी : आप इस बिल को इंट्रोड्यूस मत कीजिए। ... (व्यवधान)

श्री नितिन गडकरी : आप मेरी बात तो सुन लीजिए। ... (व्यवधान)

HON. SPEAKER: Kalyanji, please listen to him.

...(Interruptions)

HON. SPEAKER: This is not the way.

श्री नितिन गडकरी : मैडम, इस बिल को सबको सर्कुलेट किया गया है। इसमें एक डी अडवन है, जिसके लिए मैं आपकी मार्फत सभागृह को प्रार्थना करूँगा, अगर नहीं मानेंगे तो मुझे आग्रह नहीं करना है। मैं आपको एक बात करूँगा कि यह बिल एक साल से पेंडिंग है। इस बिल का संबंध इस बात से है कि देश में डेढ़ लाख एवरीडेन्ट्स हो रहे हैं और पूरी तरह से वयोस हुआ है। इसके लिए सभी राज्यों के ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर्स, जिसमें वैंस्ट बंगाल से लेकर केरल तक 18 ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर्स के साथ कमेटी बनाकर उन्होंने फाइनल ड्राफ्ट तैयार किया है। हमने पुराना बिल विटड्रा किया है और उन्होंने यह अपघात और एवरीडेन्ट्स रोकने के लिए जो सुझाव दिये हैं, उन्हें हम लाये हैं। एक साल से हम कुछ नहीं कर पाये, न इंडरविंग लाइसेंस में सुधार कर पाये और न नियमों में सुधार कर पाये, क्योंकि इस पर सहमति नहीं बनी। आज अगर मैं यह बिल पेश नहीं करूँगा तो अगले सेशन तक मैं कुछ नहीं कर पाऊँगा। आप टी.वी. खोलने के बाद देखेंगे कि रोज एवरीडेन्ट्स में दो सौ, तीन सौ लोग मर रहे हैं। ... (व्यवधान) मेरा इसमें कोई आग्रह नहीं है, कोई पोलिटिकल सब्जेक्ट नहीं है। मुझे इतनी ही चिंता है कि जल्द से जल्द इसमें सुधार हो। आज अगर आपने यह नहीं होने दिया तो फिर राज्य सभा में जाकर यह इस सेशन में पास नहीं हो पायेगा। आलरेडी सभी पोलिटिकल पार्टिज के ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर्स के द्वारा दिये गये सुझाव मैं आपको इस बिल की मार्फत दे रहा हूँ।

बिल के ऊपर आप जो भी सुझाव देंगे, उसके लिए मैं ओपन माइंड से स्वीकार करने के लिए तैयार हूँ और इसके बाद भी आपकी सबकी सहमति इस अधिवेशन में नहीं होगी तो यह मेरे अकेले की जिम्मेदारी नहीं है, आप सबकी है। आप जो कहेंगे, वैसे मैं मानने के लिए तैयार हूँ। इसमें लोगों की जान बचाने की जो बात है, उस बात को देख कर आप विचार कीजिए। बाकी आपको जो सोचना है, वह कीजिए। ... (व्यवधान)

SHRI KALYAN BANERJEE: The hon. Minister has said that unless it is passed here, it cannot be taken up in the Rajya Sabha within this week. Now, today, the discussion is not going to take place. Even if it is taken up early, it would be taken up only tomorrow.

The Bill has not been introduced yet. So, Mr. Minister, you may introduce the Bill tomorrow; let us have the discussion tomorrow itself; and then send it to the Rajya Sabha.

Today, if you introduce the Bill, you cannot send it to the Rajya Sabha...(Interruptions)

There may be 18 State Ministers, who might have attended the meeting with you. But we have also a right to speak. Kindly do not take away our right...(Interruptions)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, आप बोलिए। इंट्रोड्यूस भी नहीं करना हो तो बताइए, मुझे कोई ऑब्जेक्शन नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

श्री महिलकार्जुन खड़गे: महोदया, यह एक महत्वपूर्ण बिल होने की वजह से सभी सदस्य यह चाहते हैं कि इसको स्थायी समिति में भेज देना चाहिए, ताकि इस पर डीटेल्ड डिस्कशन हो जाए और इसमें कोई भी ऑब्जेक्शन न रहे, स्थायी समिति की जो रिपोर्ट आएगी सर्वसम्मति से एज़ डट इज़ उसको पास कर देंगे। मंत्री जी, आपके पीछे पूरा सदन खड़ा हुआ है, आप क्यों घबरा रहे हैं, यह मुझे समझ में नहीं आ रहा है। ... (व्यवधान)

श्री नितिन गडकरी : खड़गे साहब, मैं घबरा नहीं रहा हूँ, यही मैं आपको समझा रहा हूँ। ... (व्यवधान)

श्री महिलकार्जुन खड़गे : एक महीने में कुछ होने वाला नहीं है। ... (व्यवधान)

श्री नितिन गडकरी : खड़गे साहब, आप एक नहीं तीन महीने लगाएं, मैं आपके साथ हूँ, मुझे कोई परेशानी नहीं है। ... (व्यवधान)

श्री महिलकार्जुन खड़गे : मैडम, आप एक टाइम लिमिट तय कीजिए कि इतने दिन में कमेटी रिपोर्ट दे तो फिर एक महीने में करना है तो एक महीने में खत्म कीजिए। ... (व्यवधान)

श्री नितिन गडकरी : महोदया, यह सभा सार्वभौम है। मंत्री होने के नाते मेरी भी जिम्मेदारी है। मैं आप सबके साथ बिल्कुल कटिबद्ध हूँ। एक साल से यह जो पुराना बिल था, वह ड्रॉप हुआ, फिर केवल इसमें सुरक्षा की दृष्टि से, रोड सेफ्टी की दृष्टि से जितने सुझाव आए, केवल वही हैं। जिसमें 18 राज्यों के ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर्स ने, जिसमें सभी पार्टियों के ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर्स शामिल थे, उन्होंने सर्वसम्मति से पुराने बिल में रास्ते की सुरक्षा के लिए जो सुझाव दिए हैं, वही आए हैं, नया बिल तो बाजू में रखा है। दूसरी बात मैं आपको नमूनापूर्वक कहना चाहता हूँ कि बिल ज्वाइंट सिलेक्शन

कमेटी के लिए पास भोजना है तो कोई अड़वण नहीं है क्योंकि इसमें कोई बड़ी बात नहीं है। परंतु इसके कारण, इम्प्लिमेंट न करने के कारण रोज एविसडेंट की संख्या इतनी बढ़ती जा रही है, कि हम तोग उसको रोक नहीं पा रहे हैं। ... (व्यवधान) आप मेरी बात तो सुन लीजिए न ... (व्यवधान) इसके ऊपर आपको अगर नहीं करना है, ... (व्यवधान) अगर आपको ज्वाइंट सिलेक्शन कमेटी के पास भोजना है ... (व्यवधान) मंजूर नहीं करना है तो आपका अधिकार है। ... (व्यवधान) लेकिन मेरी बात तो सुन लीजिए। ... (व्यवधान) मैं भावनात्मक दृष्टि से आपको बता रहा हूँ। आप अगर नहीं करना चाहेंगे तो ज्वाइंट सिलेक्शन कमेटी को भेजिए, मुझे कोई परेशानी नहीं है। ... (व्यवधान) सड़ने साहब मुझे कोई जल्दी नहीं है। ... (व्यवधान) मैं आपको सिर्फ इतना ही कहूँगा कि केवल सुधार जो हैं, वे 18 शर्तों के ट्रान्स्पोर्ट मिनिस्टर्स ने बताए हैं, सिर्फ उतना ही है। उसके बाद भी अगर आप जो भी सुझाव देंगे, मैं उनको स्वीकार करने के लिए तैयार हूँ। इसमें समय ज्यादा जाने से और जाने जा सकती हैं, आप इसके ऊपर सोचिए, आप जो कहेंगे, वह मैं करने के लिए तैयार हूँ। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इंट्रोड्यूज़ तो करने दो।

â€ (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सौगत राय जी, यह तो केवल इंट्रोडक्शन है। इंट्रोडक्शन के बाद ही आप सोचेंगे, अमेंडमेंट्स देंगे। डिस्कशन करना है कि नहीं करना है, यह बीएसी में तय कीजिए। अभी कोई डिस्कशन भी तो नहीं ते रहे हैं। He is only introducing. इंट्रोडक्शन पर आप क्यों आपत्ति कर रहे हैं? बाद में निर्णय करो न कि कमेटी में भोजना है या नहीं। I am not asking you. It is only introduction.

â€ (व्यवधान)

HON. SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Motor Vehicles Act, 1988."
The motion was adopted.

SHRI NITIN GADKARI: Madam, I introduce the Bill.

HON. SPEAKER: Now, 'Zero Hour'.

...(Interruptions)

माननीय अध्यक्ष : मैं सबको एक साथ तो बोलने का मौका नहीं दे सकती हूँ। एक के बाद सबको बोलने का अवसर दूंगी।

â€ (व्यवधान)

HON. SPEAKER: I will allow it.

...(Interruptions)

माननीय अध्यक्ष : मुझे पता है कि आज आदिवासी दिवस है। दो-तीन लोगों ने इसके लिए नोटिस दिया है। मैं पहले उनको ही बोलने का अवसर दे रही हूँ।

â€ (व्यवधान)

HON. SPEAKER: I am not saying 'no'.

â€ (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं आज उन सभी लोगों को पहले मौका दे रही हूँ।

â€ (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आज आदिवासी दिवस है, आप सब बोलना चाहेंगे। मैं सभी के नाम बुलाऊँगी। आपको भी बोलने का मौका दूँगी।

डॉ. दिना विजयकुमार गावीत।

â€ (व्यवधान)